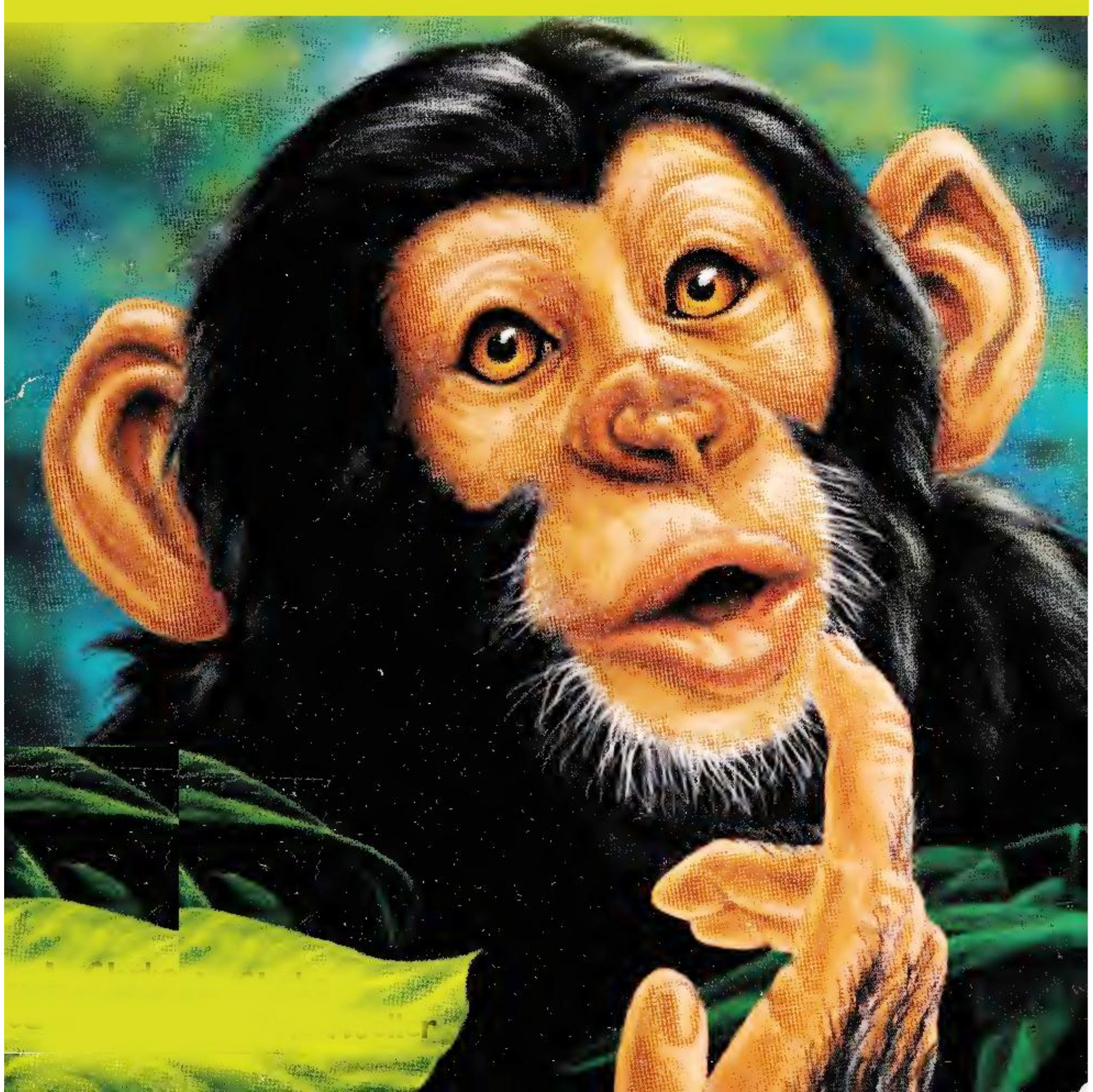
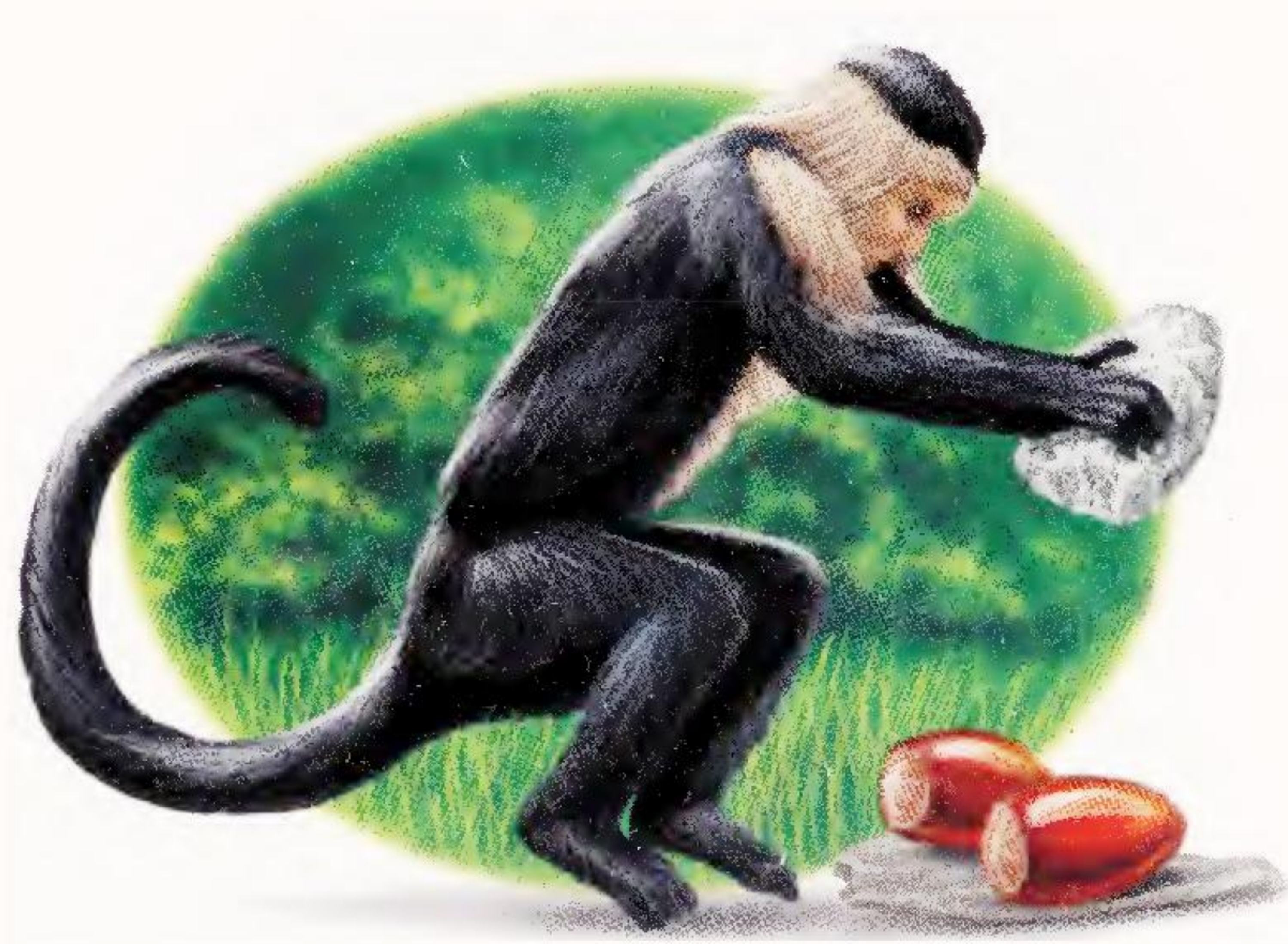
अद्भुत काम करने वाले जानवर

जिंजर एल. क्लार्क

चित्र: पीट म्यूलर



अद्भुत काम करने वाले जानवर



जिंजर एल. क्लार्क

चित्र: पीट म्यूलर



अन्य जानवर इंसानों की तरह अलग-अलग
तरीकों से व्यवहार करते हैं.
कुछ औज़ारों का इस्तेमाल करते हैं,
वे असली काम भी करते हैं,
और चीज़ों को याद रख सकते हैं.
आइए जानें कि ये अद्भुत जानवर
क्या-क्या कर सकते हैं!

क्या आपको पता है
कि जानवर भी बात कर सकते हैं?
कई जानवर आवाज़ें निकालते हैं
जैसे लोग बातें करते हैं.
जानवर क्रोध, भय, आश्चर्य,
चिंता, प्रेम और खुशी की भावनाएं प्रकट करते हैं—
ठीक वैसे ही जैसे हम अपनी आवाज़ से करते हैं.





अध्याय 1

जानवर जो संवाद करते हैं

सबसे बुद्धिमान जानवर कौन सा है?
कई वैज्ञानिक डॉल्फ़िन को
सबसे बुद्धिमान जीव मानते हैं.
अपने शरीर के आकार के हिसाब से,
जानवरों में, इंसानों ने बाद
डॉल्फ़िन का दिमाग सबसे बड़ा होता है.
डॉल्फ़िन हमारी तरह चीज़ें सीख सकती हैं.
डॉल्फ़िन पानी के नीचे क्लिक और सीटियों
और कई अन्य ध्वनियों का
उपयोग करके संवाद करती हैं
या बातचीत करती हैं.
इसे इको-लोकेशन कहते हैं.



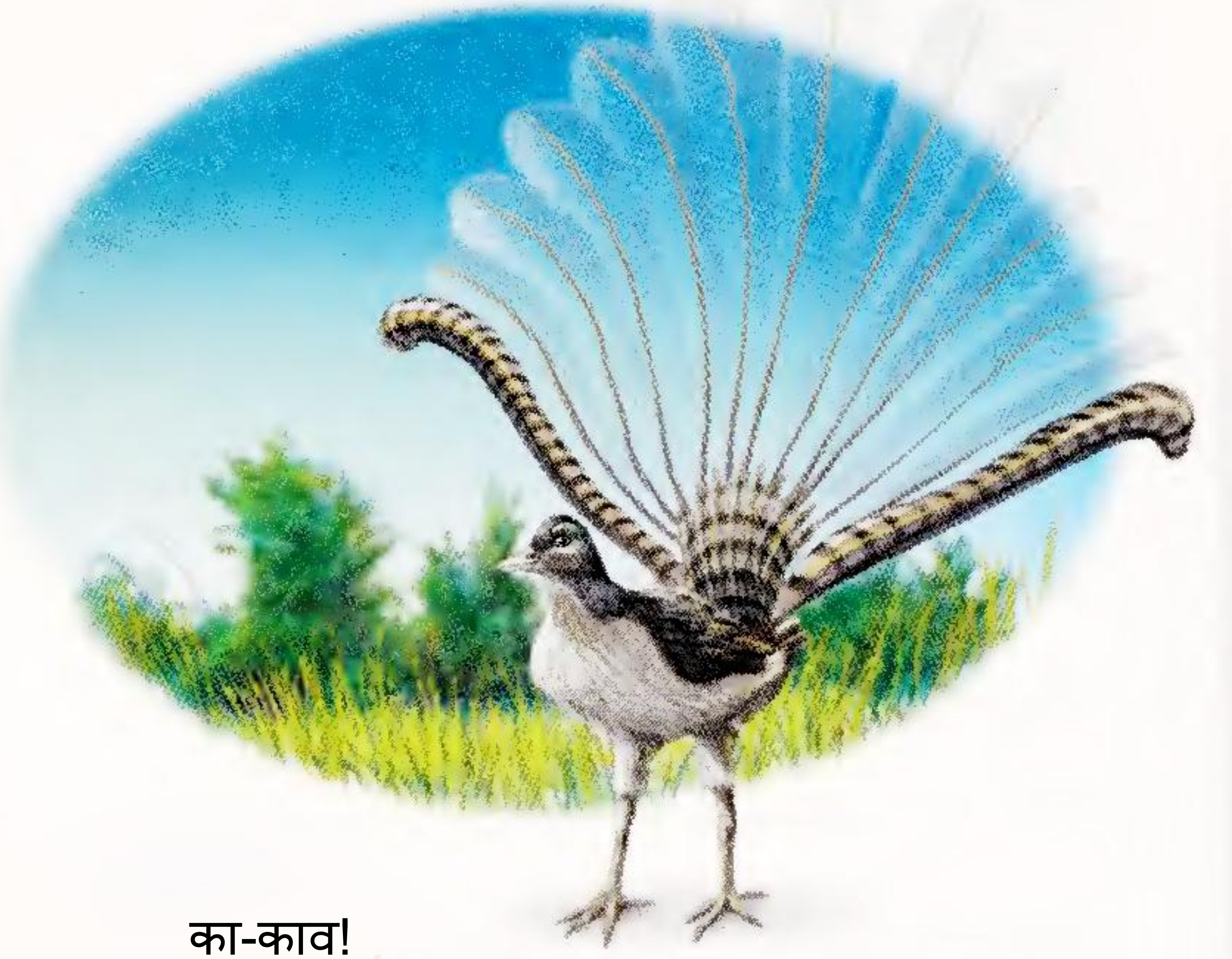
क्रीक! क्रीक!
ये बॉटल-नोज़ डॉल्फ़िन
अपनी आवाज़ों का उपयोग
एक साथ काम करने के लिए करती हैं.
वे मछलियों के एक विशाल समूह
के चारों ओर तेज़ी से तैरती हैं.
उन्हें एक ही दिशा और एक ही गति से
जाने के लिए संवाद करने की आवश्यकता होती है.
सैकड़ों डॉल्फ़िन, मछलियों का शिकार करने
और उन्हें खाने के लिए एक प्रकार का जाल बनाती हैं.

कुछ ओर्का, पशु प्रशिक्षकों से
चालें सीख सकते हैं.
लेकिन वैसे समुद्र में, ओर्का को
किलर-व्हेल कहा जाता है
क्योंकि वे तेज़ और भयंकर शिकारी होते हैं.
ओर्का कई जानवरों को खाते हैं,
जिनमें स्क्विड, पक्षी, कछुए,
सील, शार्क और अन्य व्हेल शामिल हैं.



ओर्का एक साथ मिलकर शिकार करते हैं.
ओर्का का प्रत्येक समूह
बात करने के लिए अलग-अलग
आवाज़ों का उपयोग करता है.
वे अपनी एक ऐसी भाषा में संवाद करते हैं
जिसे अन्य ओर्का नहीं समझ पाते.
बात करने का यह खास तरीका
समूह को एक साथ काम करने में मदद करता है.
वाह! एक ओर्का को पेंगुइन दिखाई देती है,
फिर वे सभी तुरंत उस पर हमला करते हैं.





का-काव!

ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में

एक अजीबोगरीब, शोर मचाने वाला

पक्षी रहता है.

वो शानदार लायरबर्ड है.

वो मुर्गे के आकार का होता है.

वो बड़ा दिखने के लिए अपनी

आकर्षक पूँछ, मोर की तरह फैलाता है.

लायरबर्ड आमतौर पर पेड़ों में छिपते हैं,

लेकिन उनके पास कहने के लिए

बहुत कुछ होता है.

लायरबर्ड एक-दूसरे से

कई अलग-अलग गीतों का

इस्तेमाल करके बात करते हैं.

वे दूसरे पक्षियों की नकल भी कर सकते हैं,

या उनकी तरह आवाज़ निकालने का

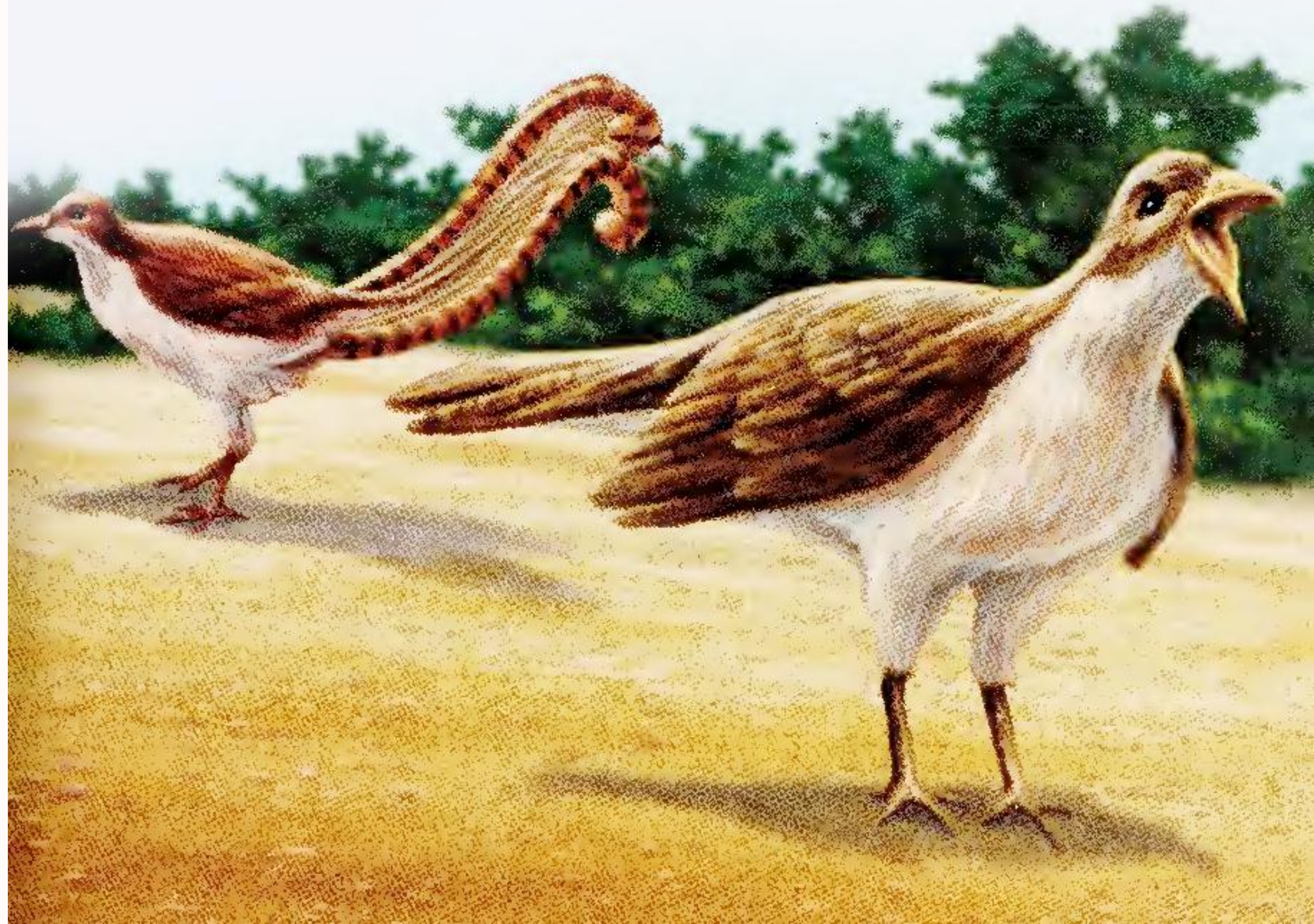
नाटक भी कर सकते हैं.

वे शायद ऐसा दूसरे पक्षियों को

आकर्षित करने के लिए करते हों.

जो पक्षी सबसे सुंदर गीत गाता है,

उसे जंगल में सबसे ज़्यादा ध्यान मिलता है.



सियामंग गिब्बन

मलेशियाई वर्षावन में रहता है.

गिब्बन, छोटे वानर होते हैं जो

पेड़ों की चोटियों पर झूलते हैं.

उनकी भुजाएँ बहुत लंबी होती हैं.

वे उन कुछ प्राइमेट्स में से एक हैं जो

मनुष्यों की तरह खड़े होकर चल सकते हैं.





हू-ऊ! हू-ऊ!

यह नर गिब्बन अपने गले की थैली को फुलाता है

और ज़ोर से हूट करता है.

उसकी आवाज़ दूर तक सुनाई देती है.

गिब्बन परिवार एक साथ गाते हैं

और दूसरे समूहों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं

यह देखने के लिए कि कौन सबसे ज़ोर से गाता है.

भौंकने और चिल्लाने से

उन्हें जंगल में, एक-दूसरे को

ढूंढने में मदद मिलती है.

क्या आपने कभी किसी चिड़ियाघर में
गोरिल्ला को करीब से देखा है?
वे दिखने और व्यवहार करने में
बिल्कुल इंसानों जैसे होते हैं.
कुछ गोरिल्लाओं ने
सांकेतिक भाषा का उपयोग करके
बात करना सीखा है!
लेकिन जंगल में उनकी अपनी भाषा होती है.



यह विशाल नर सिल्वरबैक गोरिल्ला
एक युवा नर गोरिल्ला पर गुस्सा है.
वह अपने शरीर और आवाज़ का इस्तेमाल करके
उससे कहता है, "चले जाओ!"
वह खड़ा होता है और
अपनी छाती पीटता है.
फिर वह भौंकता है, गुर्राता है, और
अपने तीखे, नुकीले दांत दिखाता है.
जब यह अद्भुत वानर चीखता है,
तो बाकी सभी गोरिल्ले सुनते हैं.



अध्याय 2

औज़ारों का उपयोग करने वाले जानवर



चिम्पांजी भी बहुत कुछ बोलते हैं.
कुछ बात करने के लिए अपने
हाथों का भी इस्तेमाल करते हैं.
कुछ प्रसिद्ध चिम्पांज़ियों ने
सांकेतिक भाषा में सैकड़ों शब्द सीखे हैं.
उन्होंने हमारी तरह ही कुछ औज़ारों का
उपयोग करना भी सीखा है.



चिम्पांजी छत्ते से शहद निकालने, जड़ें खोदने,
और यहाँ तक कि पिंजरों से भागने के लिए भी
छड़ी का इस्तेमाल कर सकते हैं.
यह भूखी चिम्पांजी एक छड़ी को
दीमक के टीले में डालती है
और फिर उसे बाहर खींचती है.
वह छड़ी को दोनों हाथों से पकड़ती है.
चाटना! चिम्पांजी जल्दी से छड़ी पर लगे
दीमकों को चाट लेती है.
उसने दीमकों की एक
आइसक्रीम-स्टिक बनाई है!



कठफोड़वे फिंच
के हाथ नहीं होते.
लेकिन वो भी कीड़ों को ढूँढ़ने के लिए
औज़ारों का इस्तेमाल करता है.
इस पक्षी की जीभ छोटी होती है
जो पेड़ की शाखाओं में बने
गहरे गड्ढों में नहीं पहुँच सकती.
इसलिए जब वो छिपे हुए कीड़ों तक पहुँचना चाहता है,
तो यह अपनी जीभ को लंबा करने के लिए
वो एक औज़ार का इस्तेमाल करता है.

यह फिंच अपनी चोंच से
कैक्टस का एक कांटा तोड़ता है.
वो इस कांटे को किसी शाखा में घुसाता है
फिर वो एक रसीला कीड़ा पकड़ता है.
स्वादिष्ट! वो कीड़े को कुतरता है.
फिंच कांटे को अपने पैर से पकड़ता है
ताकि वो उसका दुबारा इस्तेमाल कर सके.



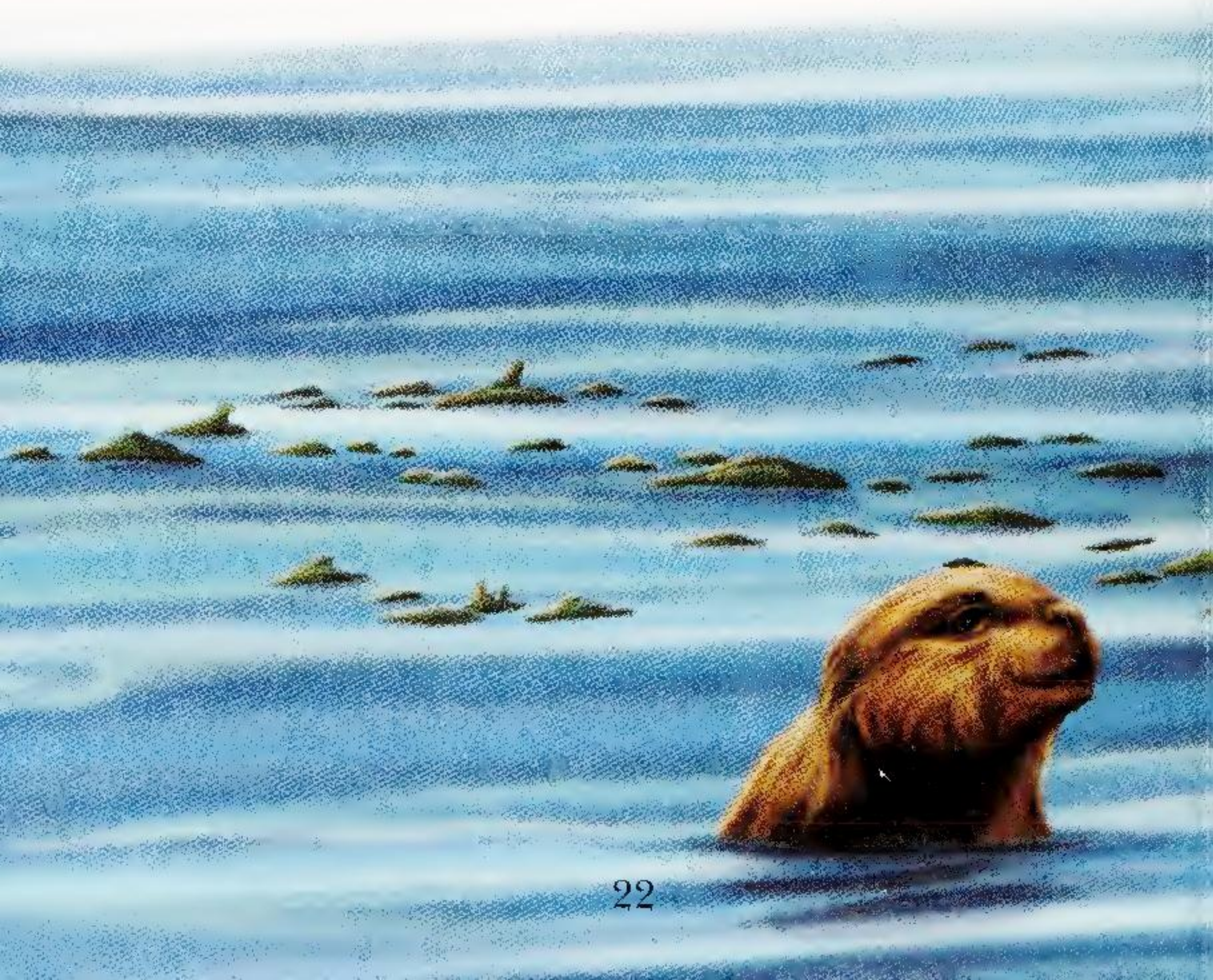


मिस्र का गिद्ध जानता है
कि उसे अपना मनचाहा भोजन कैसे मिलेगा.
बड़े शुतुरमुर्ग के अंडे खूब स्वादिष्ट होते हैं.
लेकिन छोटे अंडों की तुलना में
बड़े अंडों को फोड़ना मुश्किल होता है.
दूसरे पक्षी बड़े अंडों को ज़मीन
पर तब तक मारते हैं
जब तक वे फूट नहीं जाते.
लेकिन इसमें बहुत समय लगता है.

इस गिद्ध को अब खाना चाहिए!
उसे पास में एक बड़ा पत्थर मिलता है
और वह अपनी चोंच में उसे उठाता है.
ठोक! ठोक!
वह पत्थर से अंडे को फोड़ देता है.
अंडा टूट जाता है, और
गिद्ध को अपना खाना मिल जाता है.



समुद्री ऊदबिलाव लगभग
हमेशा पानी में रहते हैं.
उन्हें खाना ढूँढ़ने के लिए
समुद्र में गोता लगाना पड़ता है.
लेकिन सीप को खोलना
उनके लिए मुश्किल होता है.
तब ऊदबिलाव क्या करता है?
वह अपने अगले पैरों से एक सीप और
एक चपटी चट्टान पकड़ता है.



फिर वह पत्थर को अपने पेट पर रखता है
और सीप को पत्थर पर पटकता है.
चटक कर! उससे सीप खुल जाता है.
फिर ऊदबिलाव अंदर की
मुलायम सीपी को चूस लेता है.
ऊदबिलाव, इसी तरह केकड़ों और अन्य
कठोर समुद्री जीवों को भी तोड़ता है.



जब लोग उन्हें कुछ करना सिखाते हैं,

तो बंदर उन बातों को जल्दी सीख जाते हैं.

लेकिन कैपुचिन बंदर

जंगल में भी औज़ारों का

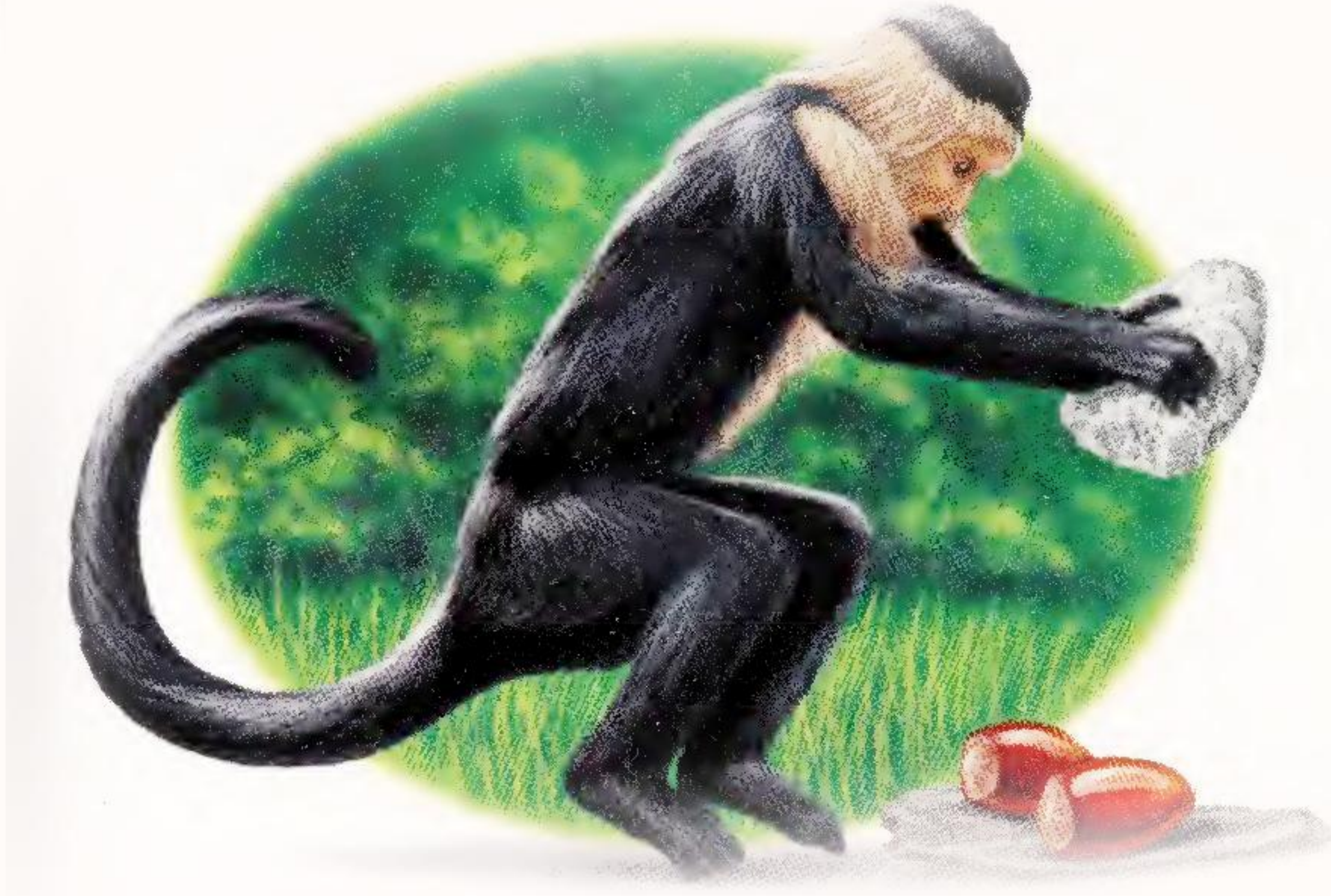
इस्तेमाल करते हैं.

कैपुचिन बंदर मिट्टी खोदकर कीड़े ढूँढ़ने और

अखरोट और बीज तोड़ने के लिए

पत्थरों का इस्तेमाल करते हैं.





यह कैपुचिन बंदर एक सख्त

ताड़ के अखरोट को

एक सपाट पत्थर पर रखता है.

फिर वह एक और पत्थर उठाता है

जो पकड़ने के लिए बहुत भारी है.

ठोक! बंदर पत्थर को

हथौड़े की तरह पटकता है

उससे अखरोट टूट जाता है.

देखो, कैपुचिन कितना चतुर है!

अध्याय 3

ऐसे जानवर जो काम करते हैं

एशिया और अफ्रीका के रेगिस्तानों में
ऊँट लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं.
वे खानाबदोशों के लिए भारी बोझ ढोते हैं.
खानाबदोश वे लोग होते हैं
जो एक जगह से दूसरी जगह
जाने के लिए मीलों पैदल चलते हैं.
ऊँट, खेतों में हल भी खींचते हैं
और फसलों को पानी देने के लिए
पहिया भी घुमाते हैं.



ये ड्रोमेडरी ऊँट
खानाबदोशों के एक समूह के साथ
सहारा रेगिस्तान में घूम रहे हैं.
उन्हें गर्मी से कोई फर्क नहीं पड़ता और
वे बिना पानी के लंबे समय तक रह सकते हैं.
और जब ऊँटों को पानी मिलता है,
तो वे एक बार में तीस गैलन
तक पानी पी सकते हैं.



साइबेरियाई हस्की कुत्ते,
ऊँटों की तरह ही लोगों की
सामान ढोने में मदद करते हैं—
लेकिन बर्फ में, रेगिस्तान में नहीं.
हस्की कुत्ते अलास्का में
100 से ज़्यादा सालों से काम कर रहे हैं.
वे भारी स्लेज खींचने और बारहसिंघों को
चराने के लिए टीमों में काम करते हैं.
एडमिरल बर्ड ने दक्षिणी ध्रुव की खोज में
हस्की कुत्तों का इस्तेमाल किया.

हस्की कुत्तों की यह टीम
सामान और दवाइयों से भरी
एक स्लेज ले जा रही है.
वे बर्फीले रास्ते पर तेज़ी से दौड़ते हैं.
मश! मश! उनका ड्राइवर उनसे कहता है.
कुत्ते साथ मिलकर काम करते हैं
और जब उनका ड्राइवर उन्हें
दिशा या गति बदलने का आदेश देता है
तो वे उसकी बात सुनते हैं.
अब बहुत मेहनत करने के बाद
उनके खाने का समय हो गया है.





जर्मन शेफर्ड कुत्ते भी
कई उपयोगी काम करते हैं.
बहुत समय पहले उनका पहला काम
भेड़ों को चराना था.
आज वे बचाव कुत्ते,
पुलिस कुत्ते, गाइड कुत्ते,
शिकारी कुत्ते और शो डॉग भी हैं.
वे बहुत ही मिलनसार जानवर हैं.
लेकिन जब काम होता है
तो वे एकदम गंभीर हो जाते हैं.

यह जर्मन शेफर्ड कुत्ता
खोए हुए यात्री को ढूँढने के लिए
हवा को सूँघता है.
उसकी सूंघने की शक्ति बहुत अच्छी है.
वह खोए हुए लोगों को
उनकी गंध सूंघ कर उन्हें ढूँढ सकता है.
अहा! कुत्ते ने एक पैदल यात्री को
ज़मीन में एक गड्ढे में गिरा हुआ पाया.
एक बचाव दल ने उस आदमी को
बाहर निकालने में मदद की.
कुत्ते ने उस आदमी को बचा लिया!

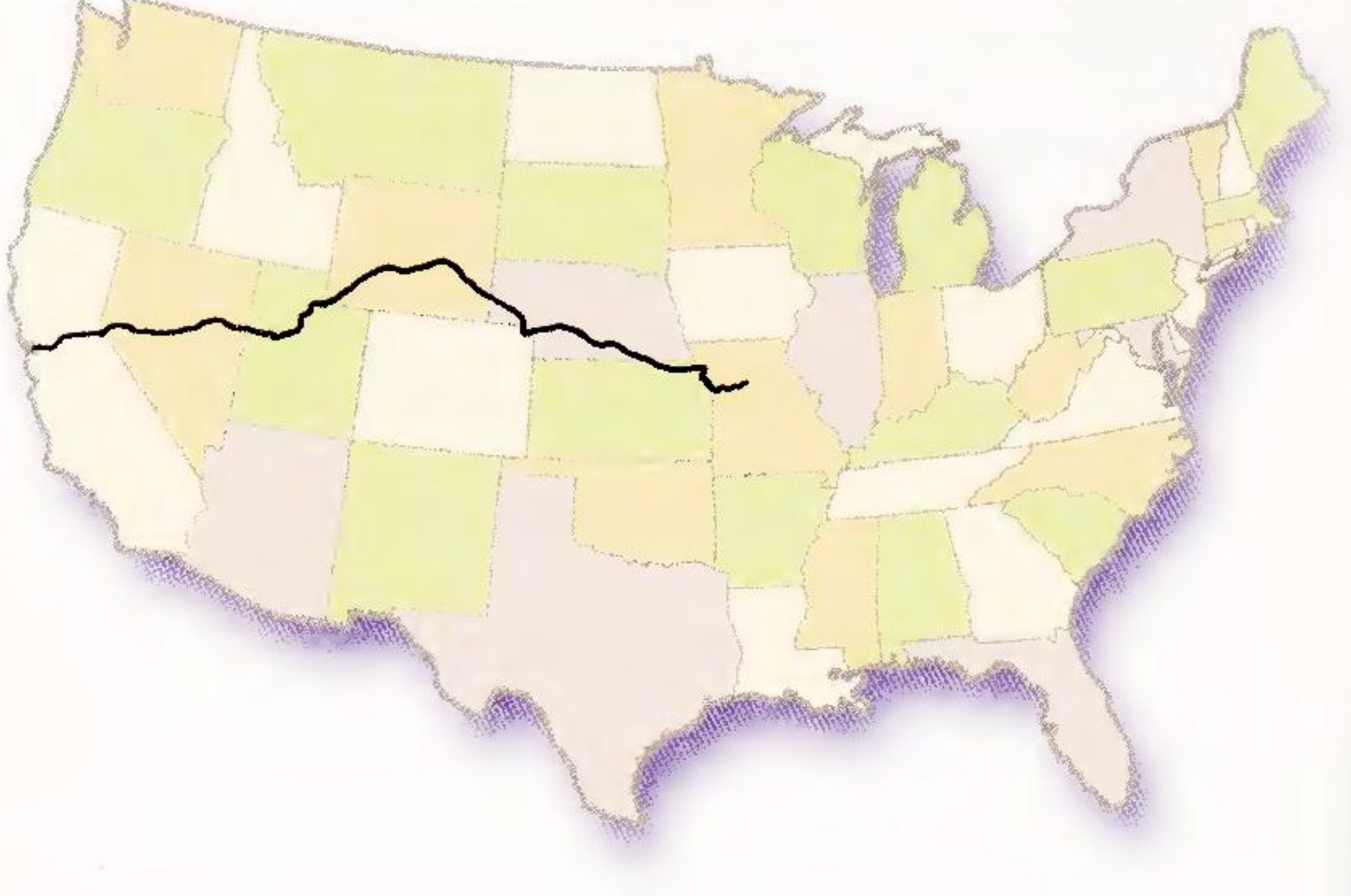


क्या आपने कभी किसी घोड़े को
नाचते हुए देखा है?
कई घोड़े सुंदर होते हैं.
लेकिन लिपिज़ान घोड़े
प्रदर्शनियों में नृत्य प्रदर्शन करते हैं.
वे नर घोड़े होते हैं.
ज़्यादातर लिपिज़ान घोड़े भूरे
या काले रंग के पैदा होते हैं
पर बाद में पूरी तरह सफेद हो जाते हैं.



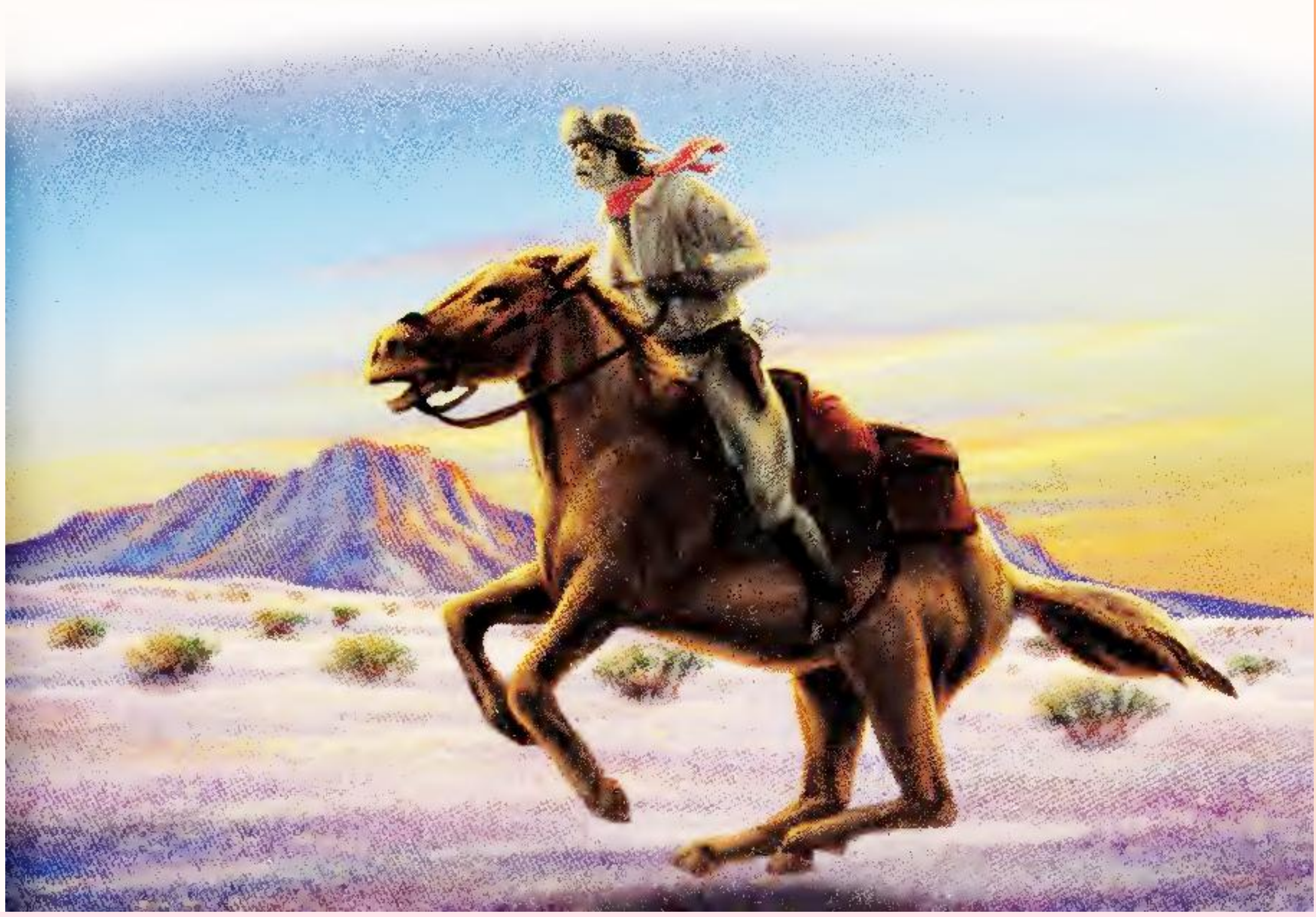
लिपिज़ान घोड़े उछलते, घूमते और
अपने पिछले पैरों पर कूदते हैं.
इनके सवार आकर्षक पोशाकें पहनते हैं
और उन्हें बताते हैं कि
उन्हें कौन से स्टेप्स करने हैं.
ये खूबसूरत घोड़े
400 सालों से नाच रहे हैं.





आज से 100 साल से भी पहले
घोड़ों के पास एक अच्छा काम था.
वे डाक पहुँचाते थे!
पोनी एक्सप्रेस के घोड़े
ई-मेल और ट्रकों से भी पहले
इधर से उधर डाक ढोते थे.
पोनी एक्सप्रेस की ट्रेल
मिसौरी, कंसास, नेब्रास्का, व्योमिंग,
कोलोराडो, यूटा और नेवादा से होकर
कैलिफ़ोर्निया में समाप्त होती थी.
वो दूरी लगभग 2,000 मील लंबी थी.

घोड़े और उनके सवार
दिन-रात सरपट दौड़ते थे.
वे घास के मैदानों,
रेगिस्तानों और पहाड़ों
को पार करते थे.
लेकिन पोनी एक्सप्रेस केवल
दो साल, 1860 से 1861 तक ही चली.
फिर टेलीग्राफ का निर्माण हुआ.
लोग इस सिग्नल भेजने वाली मशीन द्वारा
तेज़ी से संदेश भेज सकते थे.
इसलिए पोनी एक्सप्रेस को बंद कर दिया गया.



अध्याय 4

जानवर जो बातें याद रखते हैं

क्या आपने कभी कबूतर डाक द्वारा
डाक भेजने के बारे में सुना है?
कबूतर लोगों तक पत्र पहुँचाते थे.
वे एक प्रकार के घर-लौटने वाले कबूतर थे.
इसका मतलब है कि वे
गंध, आवाज़ और सूरज का इस्तेमाल करके
घर लौटने का रास्ता याद रखते थे.



ये कबूतर अपने पैरों में
बंधी बोतलों में पत्र लेकर चलते थे.
युद्ध के दौरान ये उन जगहों पर उड़ते थे
जहाँ टेलीग्राफ नहीं पहुँच सकता था.
वो एक खतरनाक काम था.
एक कबूतर ने तो युद्ध में
बहादुरी दिखाने के लिए
एक पदक भी जीता था!



स्क्रब-जे एक व्यस्त पक्षी है.

गर्मियों के अंत में,

वो सर्दियों के लिए

भोजन जमा करता है.

वो हज़ारों बलूत के फल तोड़ता है

और उन्हें एक-एक करके गाढ़ देता है.

बाद में, उसे ठीक-ठीक याद रहता है

कि उसने बलूत के फल कहाँ गाढ़े थे.

फिर वह उन्हें खोदकर निकाल लेता है.

वो कितना बुद्धिमान पक्षी है!



कुछ वैज्ञानिक यह भी मानते हैं

कि स्क्रब-जे सोच-समझकर काम करता होगा.

अगर स्क्रब-जे किसी दूसरे पक्षी को

जासूसी करते हुए उसके भोजन

छिपाने के स्थान को देखता है.

तो बाद में, स्क्रब-जे वापस आता है

और अपने भोजन को दूसरी जगह छिपा देता है.

वो पुराने भोजन को भी अनदेखा कर देता है क्योंकि

उसे लगता है कि पुराना भोजन अब खराब हो गया होगा.

वैज्ञानिक अभी भी स्क्रब-जे का अध्ययन कर रहे हैं

यह देखने के लिए कि वे कितने बुद्धिमान हैं.





क्या आप अपने घर का रास्ता ढूँढ़ पाते हैं?

लेकिन सैल्मन मछलियाँ ज़रूर ढूँढ़ सकती हैं.

सैल्मन मछलियाँ मीठी नदियों में पैदा होती हैं.

फिर वे बड़ी होती हैं

और वो समुद्र में जाती हैं.

वे उन कुछ मछलियों में से एक हैं

जो मीठे और खारे पानी, दोनों में रहती हैं.

सैल्मन हज़ारों मील तैरती हैं

और फिर घर वापस आती हैं.

इसे प्रवास यानी माइग्रेशन कहते हैं



ज़्यादातर सैल्मन पानी के बहाव के

विपरीत दिशा में तैरती हैं.

ऐसा करना बहुत मुश्किल होता है.

सैल्मन अपने लंबे प्रवास

के दौरान कुछ भी नहीं खातीं.

ये सैल्मन झरनों पर छलांग लगाती हैं.

और अंत में वो उस धारा ढूँढ़ लेती हैं

जिसमें वे पैदा हुई थीं.

अब वे अंडे देने के लिए तैयार हैं.

घर वापसी की यह कितनी शानदार यात्रा है!

यूरोपीय ईल वैसे मछलियाँ हैं, लेकिन वे
चिपचिपे समुद्री साँपों जैसी दिखती हैं.
यूरोपीय ईल भी माइग्रेट करती हैं.
वे अटलांटिक महासागर में अंडों से निकलती हैं.
फिर वे महासागर पार करके
यूरोप की नदियों और नालों में रहने लगती हैं.
कुछ साल बाद ईल
अंडे देने के लिए वापस माइग्रेट करेंगी.



ये वयस्क सिल्वर ईल
समुद्र की ओर तैरती हैं.
उनकी आँखें बड़ी होती हैं और वे
रात में तैरते समय भी अच्छी तरह देख सकती हैं.
जब नदियाँ सूख जाती हैं,
तो वे फिसलन भरी कीचड़ में फिसलती हैं.
वे उन कुछ मछलियों में से एक हैं जो
पानी के बिना भी जमीन पर चल सकती हैं!





सम्राट पेंगुइन जीवन भर संभोग करते हैं.
वे उत्कृष्ट माता-पिता होते हैं.
सर्दियों में प्रत्येक मादा पेंगुइन
एक बड़ा अंडा देती हैं.
फिर मादा पेंगुइन अंडों को
जमने से बचाने के लिए
महीनों तक उन्हें अपने पैरों पर
बड़ी सावधानी से रखती हैं.

माँएँ भोजन की तलाश में कई मील
पैदल चलकर समुद्र तक जाती हैं.
लेकिन फिर भी उन्हें घर का रास्ता याद रहता है.
उन्हें याद रहता है कि अंडे फूटने वाले होंगे,
इसलिए उन्हें जल्दी वापस जाना है.
माँएँ अपने बच्चों के जन्म के समय,
उन्हें खाना खिलाने और उनकी
देखभाल करने के लिए, लौटती हैं.
पेंगुइन मांओं की याददाश्त बहुत अच्छी होती है!







हाथी सब कुछ कर सकते हैं!

वे बातचीत करते हैं,

औज़ारों का इस्तेमाल करते हैं,

काम करते हैं, और चीज़ों को याद रखते हैं.

हाथी एक-दूसरे से बात करते हैं,

धीमी गड़गड़ाहट की आवाज़ें निकालकर

और अपनी सूंड से तुरही बजाकर.

क्योंकि हाथियों के हाथ नहीं होते,

इसलिए वे अपनी सूंड को

औज़ार की तरह इस्तेमाल करते हैं.

वे पेड़ की शाखाओं का इस्तेमाल

मक्खियाँ भगाने और खुजली वाली

त्वचा को खुजलाने के लिए भी करते हैं.

एशियाई हाथी कई तरह के काम करते हैं.

वे लोगों को चीजों को ढोते हैं, ,

और सर्कस में प्रदर्शन करते हैं.

हाथियों की याददाश्त बहुत अच्छी होती है.

वे अपनी सूंघने और छूने

की इंद्रियों का इस्तेमाल करके

जगहों और चीज़ों को याद रखते हैं.

हाथी वाकई कमाल के होते हैं!



जानवर भले ही इंसानों जितने समझदार न हों,

लेकिन वे बहुत सी बातें जानते हैं

और वे कई तरह से हमारी मदद करते हैं.

हमें काम, खेल, खाने और सहारे के लिए

हर तरह के जानवरों की ज़रूरत होती है.

इनमें से कौन सा जानवर दोस्त

आपको सबसे ज़्यादा पसंद आया?

अंत